

झारखण्ड विधान सभा

ध्यानाकर्षण सूचना

पंचम् झारखण्ड विधान-सभा
त्रयोदश (शीतकालीन) सत्र

निम्नलिखित ध्यानाकर्षण- सूचनायें झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया
तथा कार्य-संचालन के नियम- 147 के अन्तर्गत दिनांक- 21.12.2023 के लिए
माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा स्वीकृत की गयी हैं :-

क्र०सं०	सदस्य का नाम	विषय	विभाग
01.	02.	03.	04.
01-	डॉ० सरफराज अहमद स०वि०स०	<p>गिरिढीह जिलान्तर्गत गाण्डेय विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र गाण्डेय, बैंगाबाद प्रखंड तथा गिरिढीह प्रखंड का आधा हिस्सा SDPO सदर के अन्तर्गत आता है। जिसमें 3 (तीन) थाना गाण्डेय, 1 (एक) थाना बैंगाबाद तथा मुफ्फसिल का आधा हिस्सा आता है। SDPO सदर का कार्यालय काफी दूर होने के कारण उक्त प्रखंडों के लोगों को कार्य करवाने में काफी असुविधा होती है। ऐसी स्थिति में SDPO सदर का नाम SDPO गाण्डेय/बैंगाबाद रखकर इसका मुख्यालय गाण्डेय/बैंगाबाद में ही रखना जनहित के लिए श्रेयस्कर होगा। इसी के अन्तर्गत चार PS यथा गाण्डेय, अहिल्यापुर, ताराटांड तथा बैंगाबाद को रखा जा सकता है।</p> <p>साथ ही आरक्षी उपाधीक्षक मुख्यालय-1 के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत नगर PS मुफ्फसिल PS, महिला PS, AC/ST PS तथा ट्रैफिक PS को रखा जा सकता है आरक्षी उपाधीक्षक मुख्यालय-2 के अन्तर्गत पचम्बा, जमुआ और नवडीहा PS को रखना उचित होगा।</p> <p>अतः प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं जनहित में वर्णित बिन्दुओं पर शीघ्र कार्रवाई करने हेतु मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।</p>	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन

01.	02.	03.	04.
02-	श्री नमन बिक्सल कोनगाड़ी स०वि०स० श्री जिग्गा सुसारन होरो स०वि०स० श्री भूषण बाड़ा स०वि०स०	<p>सिमडेगा जिलान्तर्गत मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुल पाँचों प्रखण्डों में और जिला के कई अन्य प्रखण्डों में भी आये दिन हाथियों का उत्पात मचाना आम बात हो गई है, जिसके कारण स्थानीय लोगों में भय का महौल व्याप्त है लोग आज ऐसे ही वातावरण में जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। वर्तमान समय में मानव समुदायों और हाथियों के बीच टकराव की वजह हाथियों का भोजन एक मात्र कारण है सरकार के वन विभाग को इस बात पर गम्भीरतापूर्वक सोचने कि आवश्यकता है कि इन हाथियों के भोजन का समाधान स्थायी रूप से करनी होगी ताकि इन्हें ग्रामीण इलाकों में जाने से रोका जा सके। ज्ञात हो कि ऐसे में इन हाथियों के आतंक प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को कृषि के कार्य एवं हाथियों के भय से लोगों के स्वस्थ पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है।</p> <p>अतः सदन के माध्यम से मैं यह माँग करता हूँ कि इन हाथियों के आतंक के कारण हो रहे बुकसानों को रोकने हेतु मैं सरकार का ध्यानाकृष्ट करता हूँ।</p>	वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन
03-	श्री विकास कुमार मुण्डा स०वि०स०	<p>मेरे विधान सभा क्षेत्र के कांची नदी पर हाराडीह एवं बामलाडीह स्थित दो उच्चस्तरीय पूल दो वर्ष गिर गए थे। इन दो वर्षों में संबंधित विभाग को कई बार पत्राचार करने के बावजूद अब तक उक्त पूलों की जाँच एवं पुनर्निर्माण महज प्रक्रियाधीन है और मेरे क्षेत्र के ग्रामीण इससे बेहद परेशान हो रहे हैं।</p> <p>अतः मैं आग्रह करलूँगा कि यथाशीघ्र इस जाँच को पूरा करते हुए दोनों पूलों के पुनर्निर्माण कार्य को प्रारंभ किया जाय।</p>	ग्रामीण कार्य
04-	श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी स०वि०स०	<p>रॉची जिलान्तर्गत थाना-जगरनाथपुर के रोड नं०-१५, हवाई नगर हठिया निवासी श्रीमती मणि कुमारी पिता- श्री शिव नारायण पासवान का मकान बना हुआ है, जिसका चाहरदीवारी का निर्माण कार्य भी</p>	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन

राँची, जनवरी तिथि तिथि
दिनांक- 21 दिसम्बर, 2023 ₹0।

सैयद जावेद हैदर

प्रभारी सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, रौंची।

-::4::-

ज्ञाप सं0-प्र०ध्या०-६६/२०२३- २५९९ वि० स०, राँची, दिनांक- २०/१२/२३

प्रति:- झारखण्ड विधान सभा के मा०सदस्यगण/ मा०मुख्यमंत्री/ एवं अन्य मंत्रिगण/नेता प्रतिपक्ष/ मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार, राँची/ माननीय राज्यपाल के प्रधान सचिव/ लोकायुक्त के आप्त सचिव/ महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय, राँची/सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग/ सचिव, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग/सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग एवं सचिव, पर्यटन, कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

अमृतलाल
२०/१२/२३

(अनूप कुमार लाल)
उप सचिव,

झारखण्ड विधान सभा, राँची।

ज्ञाप सं0-प्र०ध्या०-६६/२०२३- २५९९ वि० स०, राँची, दिनांक- २०/१२/२३

प्रति:- आप्त सचिव, अध्यक्षीय कार्यालय एवं निजी सहायक, सचिवीय कार्यालय को क्रमशः मा० अध्यक्ष महोदय एवं प्रभारी सचिव महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

अमृतलाल
२०/१२/२३

उप सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

सुभाष/-

अमृतलाल
२०/१२/२३